यूपी में पर्यटन को बढ़ाने में सरकार का सहयोग करेगा सीआइआइ

जासं • लखनऊ : उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी जैसे धार्मिक स्थलों के साथ लगातार बढ़ता विमानन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के पर्यटन विकास के लिए एक वास्तविक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। कुशीनगर और जेवर हवाई अड्डों के विस्तार से राज्य में सुगम संपर्क स्थापित होगा, जिससे देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए नए अवसर खुलेंगे। गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) की उत्तरी क्षेत्र पर्यटन एवं आतिथ्य समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से मुलाकात करते हुए प्रदेश में संभावनाओं और सहयोग पर चर्चा की।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक केंद्र, विविध प्राकृतिक सौंदर्य और तेजी से विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा इसे भारत का अग्रणी पर्यटन गंतव्य बना सकता है। वाराणसी और अयोध्या के विकास कार्य, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और हवाई संपर्क में वृद्धि जैसे प्रयास राज्य को नई दिशा दे रहे हैं। सीआइआइ की सक्रिय भागीदारी स्वागत योग्य है। सरकार उद्योग के साथ मिलकर घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को प्रोत्साहन देने, रोजगार सृजन करने तथा उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए कार्य करने को तत्पर है।

सीआइआइ उत्तरी क्षेत्र पर्यटन एवं आतिथ्य समिति एवं चेयरमैन केबी. कच्छू ने कहा कि सीआइआइ निरंतर नीतिगत सहयोग, क्षमता निर्माण एवं राज्य सरकारों के साथ साझेदारी के माध्यम से पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को प्रोत्साहित कर रहा है। समिति की सह-अध्यक्ष रागिनी चोपड़ा ने कहा कि विमानन क्षेत्र उप्र. के पर्यटन विकास के लिए एक वास्तविक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। सरकार के साथ मिलकर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने का इच्छुक है जो विमानन, आतिथ्य और पर्यटन प्रचार को जोड़ते हुए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करे।